#साथनिर्भर: सामूहिक सलामती

वार्तालीप व कम्यूटिनी द्वारा कोविड-19 पर प्रतिक्रिया

VartaLeap
Beyond the demographic dividend

"commutiny"
the youth collective

विषय सूची

१ **#साथनिर्भर**
सामूहिक सलामती की ज़रुरत
[पेज १]

२ **प्रभावः**
राहत एवं स्वास्थ्य लाभ
[पेज ३]

३ **राहतः**
स्वास्थ्य
[पेज ४]

४ **राहतः**
भूख
[पेज ६]

५ **सलामती:**
वेल्बीइंग
[पेज ८]

६ **सीख**
[पेज १०]

७ **आभार**
[पेज ११]

८ **संपर्क करें**
[पेज १४]

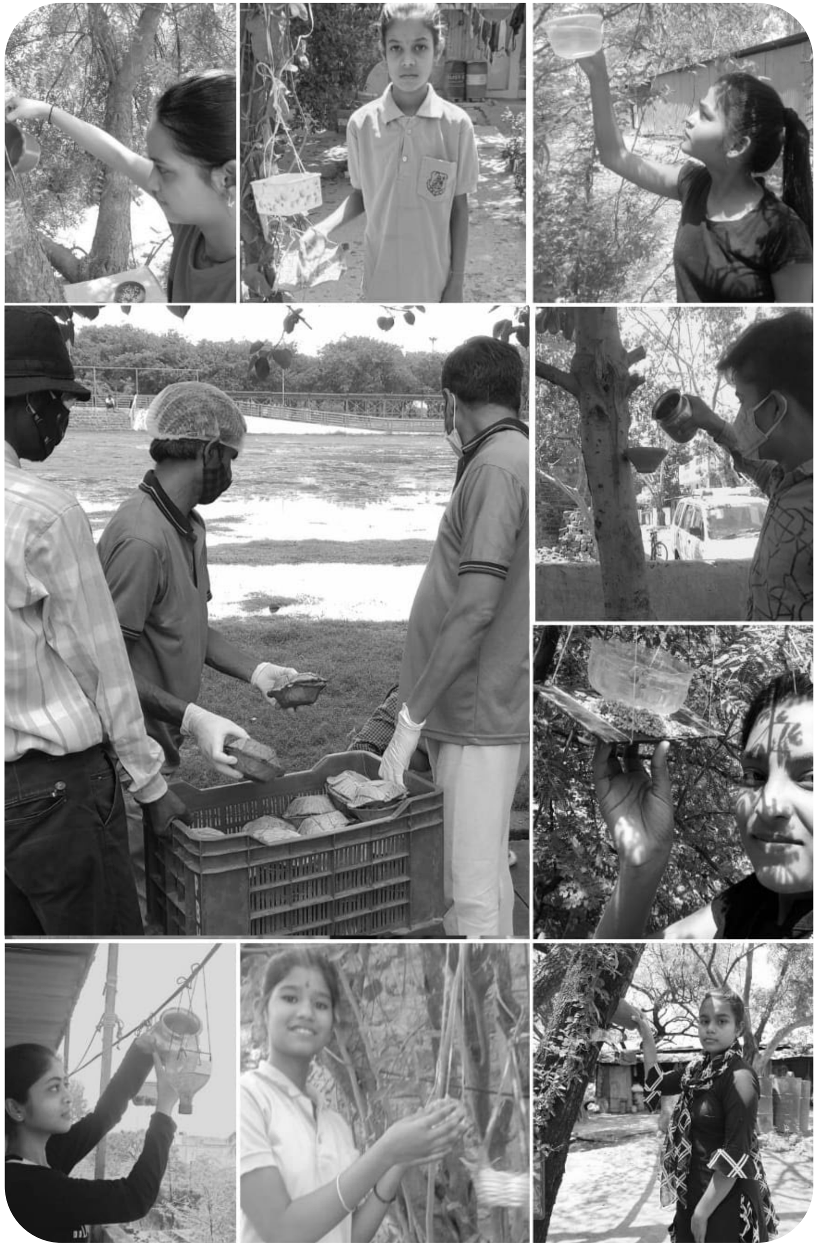

#साथनिर्भर:

सामूहिक सलामती की ज़रुरत

किसी भी सहभागिता के सफल होने में, उसमे कुछ निश्चित अवयवों का होना अति आवश्यक है; जैसे **विश्वास, सहयोग, संचार, जवाबदेही व समन्वय।** इन विचारों पर खरा उतरते हुये वार्तालीप गठबंधन के सदस्य, एक बड़े लोकतांत्रिक गठबंधन के रूप में एक दुसरे का समर्थन करने व एक साथ सीखने की अपनी शानदार भावना एवं उर्जा के साथ आगे आये, ख़ासकर उस समय जब देशभर में कोविड-19 की दूसरी लहर ने तबाही मचा रखी थी। कोविड-19 प्रतिक्रिया की दिशा में वार्तालीप के प्रयास, वास्तव में एक ऐसे देश का प्रतिनिधित्व करते है, जो अविभाज्य है और गहराई के साथ अन्योन्याश्रित- **#साथनिर्भार** है।

यह प्रतिक्रिया समुदाय के भीतर अनायास रूप से, तत्काल सहायता संदेशो से आरंभ हुई, जो शीघ्र ही गठबंधन के विभिन्न हितधारको के सहयोग से एक संगठित आन्दोलन में परिवर्तित होती गई। जैसे-जैसे भूख एवं स्वास्थ्य का संकट गहराता गया इन युवा नेतृत्वकर्ताओं एवं कार्यकर्ताओं ने बेहद सीमित पहुंच वाले वंचित समुदायों का सहयोग करने की पहल आरंभ की। इन पहलों ने कई इलाकों तक मदद पहुँचाने में दाताओं, अनुदानकर्ताओं और संस्थानों के लिए एक मार्गदर्शन का काम किया, जहाँ कई संगठनात्मक एवं व्यक्तिगत गठबंधन-सदस्यों ने स्वेच्छा से अपना समय, संसाधन व अन्य महत्वपूर्ण सहयोग के माध्यम से इस प्रतिक्रिया को संबल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

वार्तालीप एक क्रॉस-सेक्टोरल गठबंधन (250 से अधिक प्रतिनिधियों से बना) है, जो युवा केन्द्रित विकास को हाशिये से बाहर लाकर प्रत्येक स्थान पर नए मानदंड बनाने की और कार्यरत है, जो युवाओं के लिए हो या युवाओं को प्रभावित करनेवाला हो। वर्तमान समय में इस पारिस्थितिकीतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर यह देखना था कि कैसे **जागरिको** (जागरूक नागरिक; सक्रिय एवं जागृत नागरिक) के लिए एक सशक्त स्थान बनाने की दिशा में उनके प्रयास सफल हो पाए। देशभर से सैकड़ो युवा जो विभिन्न जागरिक प्रोग्रामों का हिस्सा रहे हैं, उन्होंने अपने समुदायों व उसके बाहर जाकर राहत एवं स्वास्थ्य लाभ की कई पहलों का नेतृत्व किया।

इस संकट की घड़ी में हमने यह महसूस किया कि चल रहे राहत प्रयासों के अलावा वेल्बीइंग (सलामती) पर काम करने की भी सख्त आवश्यकता है। ऐसे समय में जब देश के **90%** से अधिक लोग अलगाव, नाउम्मीदी और निराशा की भावना का अनुभव कर रहे थे तब **सामूहिक प्रेम, नेतृत्व और एकजुटता** की साझा भावनाओं ने गठबंधन के **#साथनिर्भर** अनुभव को दुनिया के सामने ले जाने के लिए हमें प्रेरित किया। जटिल रूप से डिजाइन किए गए नवाचारों और स्थानों के माध्यम से हमने अंतर-पीढ़िय सलामती के अनुभवों को सामूहिक जुड़ाव, बात-चीत व संवादों के माध्यम से नकारत्मक भावनाओं को सकारात्मक ऊर्जा में बदलने का काम किया।

इस **'लोकतांत्रिक गठबंधन'** से हमारी सबसे बड़ी सीख यह रही है कि जब आप लोगों के लिए सशक्त स्थान बनाते हैं, तो कोई भी अपनी अप्रयुक्त क्षमता को पहचान कर उसका इस्तेमाल कर सकता है और सभी सीमाओं के बावजूद असंभव को प्राप्त कर सकता है।

हमें उम्मीद है कि तीसरी लहर का प्रभाव उतना आक्रामक नहीं होगा। लेकिन यदि ऐसा होता है, तो हम जानते हैं कि हम एक शक्तिशाली गठबंधन के रूप में इससे निपटने के लिए बेहतर ढंग से तैयार हैं, जो कि अंतर-पीढ़ी के क्रॉस-सेक्टरल नेतृत्वकर्ताओं के सह-नेतृत्व में पूर्ण स्वामित्व और पहल के साथ तैयार है।

- **पवन भाटिया,** संस्थापक, जेन-वी

प्रभाव

राहत एवं स्वास्थ्य लाभ

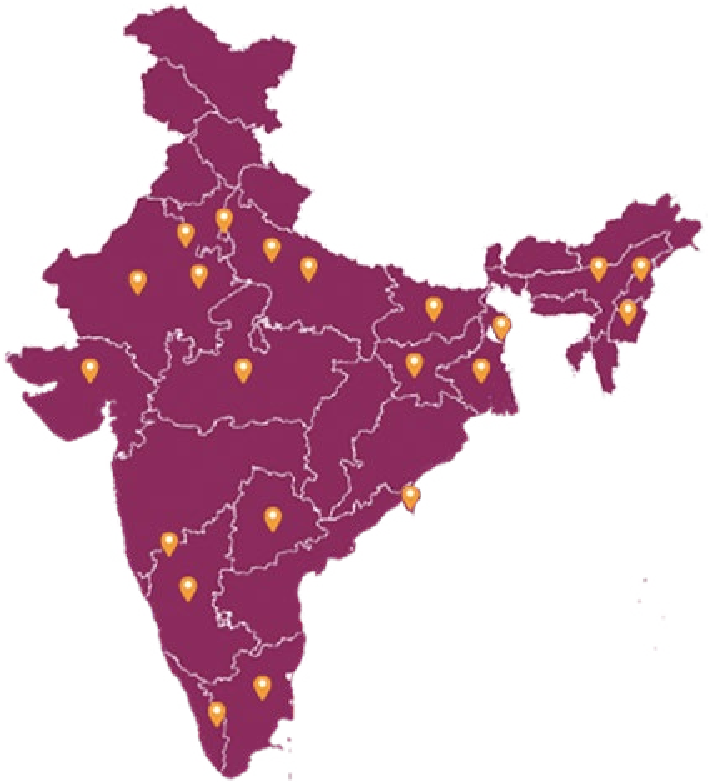

परस्पर जुड़ाव और भाईचारे की एक जबरदस्त अभिव्यक्ति में, कम्यूटिनी-वार्तालीप पारिस्थितिकी तंत्र ने कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान राहत और स्वास्थ्य लाभ के काम को प्रमुखता दी। यह नेटवर्क एक ऐसा स्थान बन गया, जहाँ संसाधन जुटाए गए, उन तक पहुँच बनाई गई तथा उनका वितरण किया गया। जिन सदस्यों की जमीनी स्तर पर एक मजबूत उपस्थिति थी, वे सैकड़ों हाशिए के समुदायों तक पहुंचकर प्रथम उत्तरदाता की भूमिका में सामने आये। गंभीर परिस्थितियों का जवाब देते हुए, विशेषकर अप्रैल और मई के महीने में, गठबंधन द्वारा इन समुदायों को आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगो की पहुंच बनाने में, राशन किट, पका हुआ भोजन आदि का वितरण करके और समय के साथ, समुदायों हेतु सामूहिक सामाजिक कल्याण के निर्माण पर केंद्रित, नवीन यात्राएँ बनाने में सहायता की गई।

समुदाय:

प्रवासी मजदूर, यौनकर्मी, LGBTQAI+ समुदाय के लोग, चाय बागान में काम करने वाले लोग, आदिवासी, दलित, किशोर लड़कियाँ, दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक, कारीगर, धार्मिक अल्पसंख्यक, महिलाएं और बच्चे

प्रभाव:

- 6.2 लाख लोग
- 65+ स्थान
- 17 राज्य

समर्थन:

राहत

नगद : 59 लाख

वस्तु रूप में : 2.63 करोड़

सलामती

वेल्बीइंग : 83.34 लाख

राहत | स्वास्थ्य

महामारी की दूसरी लहर ने स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की अभूतपूर्व मांग पैदा कर दी, जिसके परिणामस्वरूप अस्पताल में बिस्तर, एम्बुलेंसों, डॉक्टर्स तथा नर्सों आदि की भारी कमी हो गई, और सबसे बुरी बात यह कि ऑक्सीजन की कमी का गंभीर संकट खड़ा हो गया। लोगों ने लॉकडाउन द्वारा निर्धारित प्रतिबंधों के भीतर अल्प सेवाओं तक पहुंच बनाने के लिए कठिन संघर्ष किया, फिर भी, मरने वालों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि होती रही।

हमारे सदस्यों ने स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे के भयानक पतन के कारण इस अंतर को पाटने के लिए कुछ छोटी और कुछ बड़ी राहत परियोजनाओं की पहल की। इसके अलावा एम्बुलेंस सेवाएं, ऑक्सीजन आपूर्ति सेवाएं, पीपीई किट का वितरण, कोविड देखभाल किट, टीकाकरण अभियान एवं जागरूकता अभियान का भी आयोजन किया। सदस्यों ने कई उल्लेखनीय नवाचार को भी डिजाइन किया; जैसे चिकित्सा संसाधनों की उपलब्धता के लिए एक वास्तविक समय डेटाबेस बनाए रखना, टेलीफोनिक परामर्श हेल्पलाइन का प्रबंधन करना एवं कोविड रोगियों और उनके परिवारों को डॉक्टरों से जोड़ना।

5 लाख लोग प्रभावित हुए

[ऑक्सीजन सिलेंडर/कॉनसनट्रटर, पीपीई किट, सैनिटाइज़र, मास्क, दस्ताने, दवाएं, ऑक्सीमीटर, कोविड देखभाल किट, टीकाकरण]

राहत | स्वास्थ्य

कोविड महामारी की दूसरी लहर के चरम पर, वुल्फपैक टीम के युवा वालंटियर्स, दिल्ली की सड़को पर कैब/स्कूटी/बाइक (या जो भी साधन उपलब्ध था) द्वारा खाली ऑक्सीजन सिलेंडरों को भरवाकर, उन गंभीर-पीड़ित मरीज़ों तक पहुंचाने का काम कर रहे थे, जिन्हें समय से ऑक्सीजन मिलना लगभग नामुमकिन था। वहीं दूसरी ओर एक टीम, दिन रात एककर अस्पताल, मरीज़ो द्वारा की जा रही मांग व सिलेंडर रिफिलिंग का पता लगाने व उसके सत्यापन के काम में जुटी हुई थी। यह एक बहुत ही विकट स्थिति थी और अपने घर वालो के संक्रमित होने के डर से महीनों तक वे अपने घर नहीं जा पाए। किसी तरह एक अस्थाई राहत-कार्यशिविर का प्रबंध हुआ, जहाँ रहकर वे लोगो के लिए संसाधन भी जुटा सके, ऐसी कई मूल्यवान साझेदारियां उन्हें वार्तालीप-कम्युटीनी द्वारा मिली, जिसने उनके राहत प्रयासों को कई गुना मज़बूत किया |

“स्पोर्ट्स में खेल व प्रतियोगिताएं एक पहलु मात्र है, जबकि स्पोर्ट्स एक संस्था के रूप में मूल्य तथा सामूहिक प्रयास की भावना से ओत-प्रोत ऐसे परिवर्तनकारियों का निर्माण करता है, जो लोगों के पुनर्वास में अपनी भूमिका निभाने का काम करते हैं| कोविड जैसी आपदा के समय यही भावना खिलाडियों को एकजुट कर सामने से नेतृत्व करने तथा इससे डटकर मुक़ाबला करने में सक्षम बनाती है|

[सैफ़ुल्लाह खान, संस्थापक – वोल्फपैक, रग्बी डेवलपमेंट व सीएसआर मेनेजर – इंडियन रग्बी फूटबाल यूनियन]

जब राहत कार्य की बात आती है तो जेल अक्सर अंतिम स्थान होता है, इसलिए जब यह एक सोच (यस) फाउंडेशन को दूसरी लहर के दौरान सीतापुर जिला जेल का सहयोग करने का मौका मिला, तो उन्होंने उनके लिए कोविड केयर किट और ऑक्सीजन सिलेंडर व ऑक्सीजन कॉनसेनत्रटर का इंतज़ाम करवाया।

“कोविड 19 से पहले भी, हमारे पास ऑक्सीजन का एक लंबा संकट था। जेल में अक्सर चिकित्सा सुविधाओं की आवश्यकता की उपेक्षा की जाती है। हम ये एक सोच फाउंडेशन के समर्थन के लिए वास्तव में आभारी हैं।

[पीयूष पांडे, डॉक्टर जिला जेल, सीतापुर]

राहत | भूख

तालाबंदी के कारण आजीविका के नुकसान ने उन समुदायों के लिए भूख का संकट पैदा कर दिया जिनमें संरचनात्मक और ऐतिहासिक रूप से सामाजिक सुरक्षा का पहले से ही अभाव है। लॉकडाउन के दौरान प्रतिबंधित गतिशीलता ने भोजन और जीवित रहने के लिए आवश्यक अन्य सेवाओं की दुर्गमता को और बढ़ा दिया। भोजन की दैनिक पहुंच बाधित होने से हाशिए पर रहने वाले समुदाय सबसे अधिक प्रभावित हुए। हमारे पारिस्थितिकी तंत्र के सदस्य इन समुदायों तक पहुंचे तथा राशन किट, पका हुआ भोजन, बच्चों के लिए पोषण किट, बिस्कुट/ जूस के पैकेट और सामुदायिक रसोई चलाकर उनका सहयोग किया।

1,20,880 लोगो तक

8,46,160 किलो राशन बाँटा गया

राहत | भूख

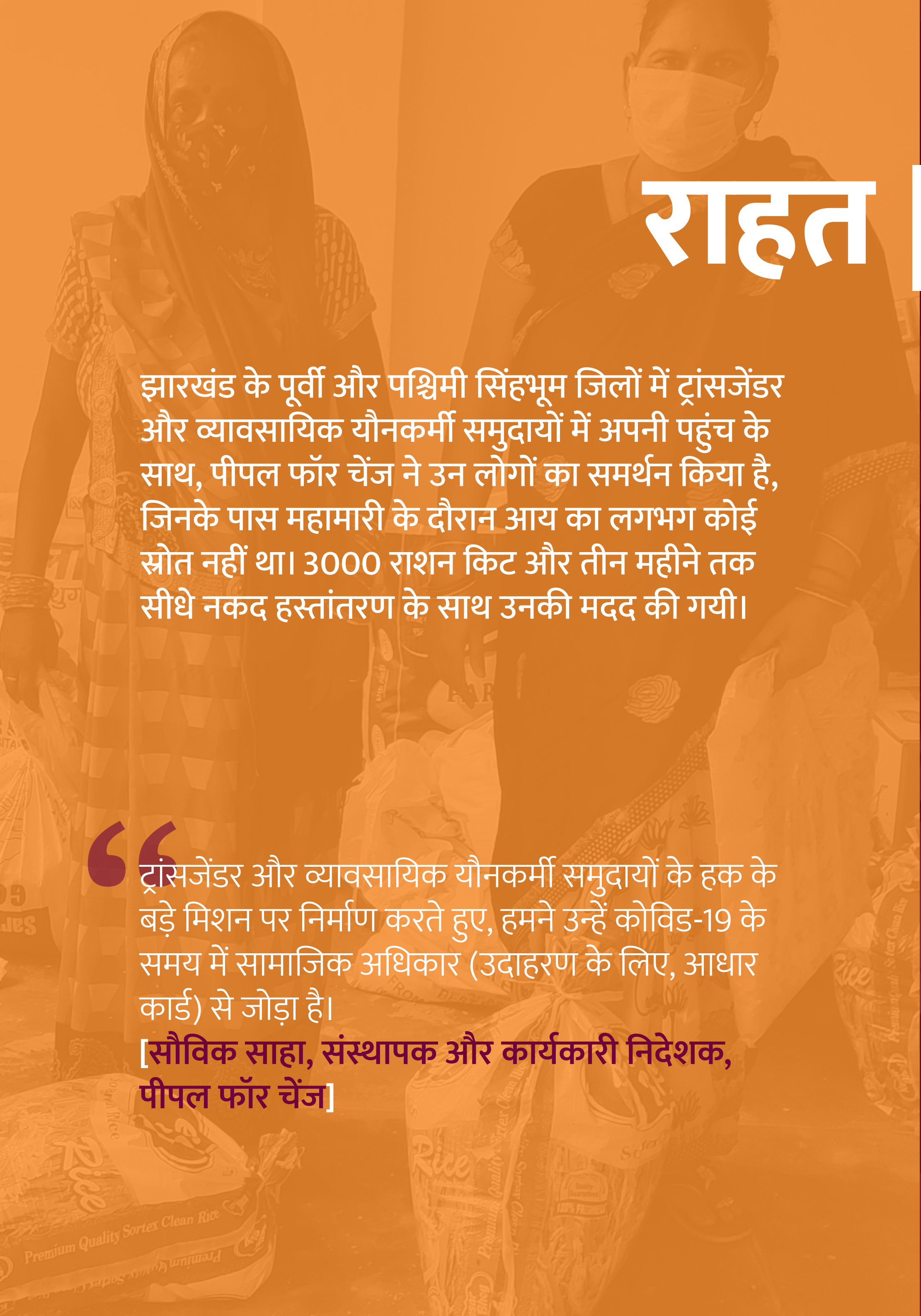

झारखंड के पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम जिलों में ट्रांसजेंडर और व्यावसायिक यौनकर्मी समुदायों में अपनी पहुंच के साथ, पीपल फॉर चेंज ने उन लोगों का समर्थन किया है, जिनके पास महामारी के दौरान आय का लगभग कोई स्रोत नहीं था। 3000 राशन किट और तीन महीने तक सीधे नकद हस्तांतरण के साथ उनकी मदद की गयी।

“ट्रांसजेंडर और व्यावसायिक यौनकर्मी समुदायों के हक के बड़े मिशन पर निर्माण करते हुए, हमने उन्हें कोविड-19 के समय में सामाजिक अधिकार (उदाहरण के लिए, आधार कार्ड) से जोड़ा है।

[सौविक साहा, संस्थापक और कार्यकारी निदेशक, पीपल फॉर चेंज]

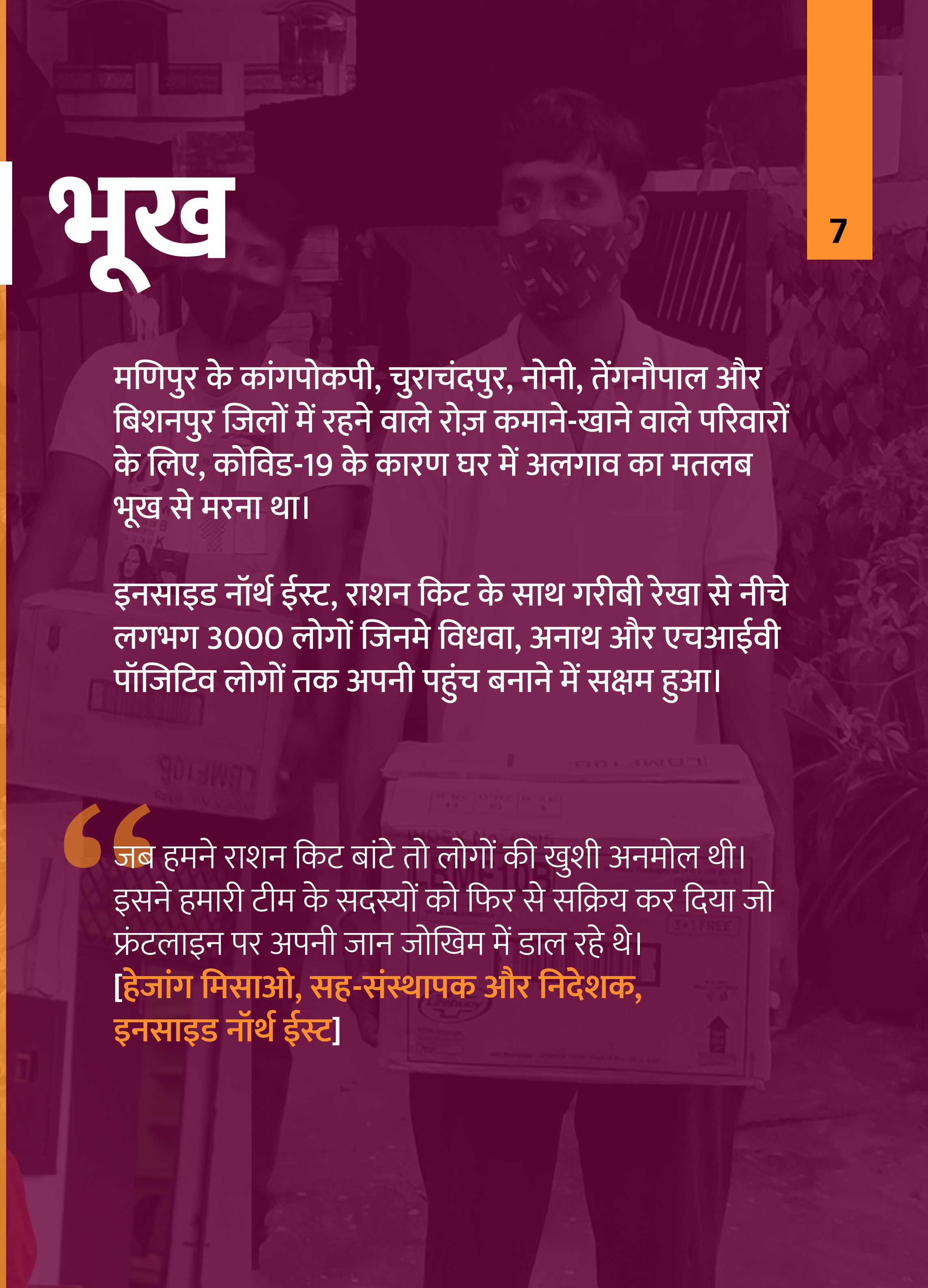

मणिपुर के कांगपोकपी, चुराचंदपुर, नोनी, तेंगनौपाल और बिशनपुर जिलों में रहने वाले रोज़ कमाने-खाने वाले परिवारों के लिए, कोविड-19 के कारण घर में अलगाव का मतलब भूख से मरना था।

इनसाइड नॉर्थ ईस्ट, राशन किट के साथ गरीबी रेखा से नीचे लगभग 3000 लोगों जिनमे विधवा, अनाथ और एचआईवी पॉजिटिव लोगों तक अपनी पहुंच बनाने में सक्षम हुआ।

“जब हमने राशन किट बांटे तो लोगों की खुशी अनमोल थी। इसने हमारी टीम के सदस्यों को फिर से सक्रिय कर दिया जो फ्रंटलाइन पर अपनी जान जोखिम में डाल रहे थे।

[हेजांग मिसाओ, सह-संस्थापक और निदेशक, इनसाइड नॉर्थ ईस्ट]

सलामती | वेल्बीइंग

राहत कार्य के संदर्भ में कोविड-19 द्वारा तत्काल प्रतिक्रिया की मांग की गई, जिससे इसके दूरगामी दुष्प्रभाओं पर चिंतन का समय कम मिल पाया। दूसरी लहर ने लोगों को अस्पताल, अकेलापन, परिवार या करीबी समुदाय में किसी अपने की मृत्यु और शोक तथा इस कठिन समय में आजीविका और सामाजिक असुरक्षा के दर्दनाक अनुभवों से दो-चार कराया। जिन लोगों को इस त्रासदी ने नहीं छुआ, वे लगातार ऐसी सूचनाओं से प्रभावित थे, जो निराशा, अकेलेपन और भविष्य के बारे में निरंतर अनिश्चितता की भावनाओं को जन्म देती रहीं। इसने लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाला तथा कुछ को तीव्र अवसाद में भी पहुँचा दिया।

कोविड-19 राहत पहल के पहले दो महीने हमने सामूहिक सलामती के प्रबंधन के व्यक्तिगत अनुभवों पर चिंतन किया और उन्हें साझा किया। हमें एहसास हुआ, युवा जब अपनी भावनाओं के प्रभारी होने के साथ-साथ सामाजिक परिवर्तन में योगदान करने हेतु अपनी एजेंसी का अनुभव करते हैं, तो वे सामूहिक सलामती का अनुभव करने की अधिक संभावना रखते हैं। अंततः इसके द्वारा, क्यू-की नेशनल चैंपियनशिप और टुगेदरनेस टेबल जैसी पुनप्राप्ति पहलों के सह-निर्माण का नेतृत्व हुआ।

टुगेदरनेस टेबल - टुगेदरनेस टेबल, लोगों में 'साक्षरता की भावना' विकसित करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक सहयोगात्मक और अंतर-पीढ़ीगत हस्तक्षेप है, जिससे कि वे नकारात्मक भावनाओं को पहचान सकते हैं, लेबल कर सकते हैं व उन्हें बेअसर कर सकते हैं और साथ ही साथ उन्हें सकारात्मक भावनाओं में बदल सकते हैं।

क्यू-की नेशनल चैंपियनशिप - क्यू-की इंटर-जेनरेशनल टीमों द्वारा खेला जाने वाला एक रियलिटी चेक गेम शो है, जो इंटरैक्टिव क्विज़, प्लूटोरी (बहुआयामी कहानियाँ) प्रदर्शन और कल्पनाशील प्रथाओं के माध्यम से प्रतिस्पर्धा करता है, जिसका उद्देश्य कोविड-19 के दौरान सामूहिक सामाजिक सलामती के निर्माण की आवश्यकता को आगे बढ़ाना है। इसके अलावा, यह उन प्रतिभागियों के लिए भी सामूहिक सलामती की भावना पैदा करता है जो सह-निर्माण, सहानुभूति और जुड़ाव का अनुभव करते हैं। कई संगठन और समुदायों के नेता जो कोविड प्रतिक्रिया के दौरान अग्रिम पंक्ति में थे, वे भी प्रतिभागियों के रूप में शामिल हुए, क्युकी वे जागरूकता की आवश्यकता को गहराई से पहचानते थे।

प्रतिभागी **98 टीमें । 57 संगठन । 16 राज्य । 2000 लोगों तक सीधी पहुँच । ऑनलाइन पहुंच - 2.5 मिलियन+**

हमने सामूहिक-निवारक सलामती पर अंतर-पीढ़ीगत बातचीत की श्रृंखला - वार्तालाप का भी आयोजन किया; ट्वीट-ए-थॉन्स, प्रश्नोत्तरी, पोल आदि के माध्यम से निवारक और सामूहिक सलामती पर कई ऑनलाइन बातचीत भी आयोजित किये।

सलामती | वेल्बीइंग

क्यू-की राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के प्रतिभागी के रूप में, आवाज (मध्य प्रदेश) की टीमों ने अपने समुदायों के भीतर निवारक और सामूहिक सलामती के विभिन्न तत्वों की खोज की। टीमों ने अपने नेटवर्क में कई लोगों से बात की, जिससे उन्हें सलामती पर विभिन्न दृष्टिकोणों/कहानियों को समझने में मदद मिली और वे कई कल्पनाशील अभ्यास प्रस्तुत कर पाए जो प्रासंगिक मुद्दों को हल करने में मदद कर सकती हैं।

“पिछले दो साल सभी के लिए दर्दनाक और निराशाजनक रहे हैं, खासकर युवाओं के लिए। क्यू-की नेशनल चैंपियनशिप ने न केवल हमारे 14 क्यू-की टीम के सदस्यों, बल्कि 250 युवाओं के हमारे पूरे नेटवर्क के जीवन को खुशी और रंगों से जोड़ा। इसने युवाओं को, जो अपने भविष्य के बारे में चिंतित थे, आनंद लेने, सीखने और उत्साह से आगे बढ़ने के लिए कुछ अहम दिया।
[**नीतेश, परियोजना समन्वयक, अवाज।**]

“क्यू-की सीखने की एक रोमांचक और ऊर्जावान यात्रा रही है। जिस चीज ने हम सभी को रोमांचित किया, वह था पूरे भारत से 100 टीमों के एक साथ आकर प्यार व एकजुटता की भावना के साथ भाग लेना। साथ ही यह भी कि किसी और की देखभाल करने से पहले आपको अपनी सेहत का भी ध्यान रखना चाहिए। इस यात्रा के दौरान, टीम में सभी ने वास्तव में एक दुसरे से जुड़ाव महसूस किया है और हमें निजी सीमाओं के परे सोचने में मदद मिली है।
[**हद अनहद से क्यू-की टीमें।**]

सीख

Deep Jyoti Sonu Brahma,
Co-Founder, Farm 2 Food Foundation
Shankar Venkateswaran,
Chairperson, Oxfam India

कलेक्टिव की उपयोगिता

* प्रभावी रूप से अधिक लोगों तक पहुँच बनाना

* ज़मीनी स्तर पर संस्थाओं एवं दानकर्ताओं को जोड़ना

* संकट के समय लोगो में ज़िम्मेदारी का साझा भाव, भावपूर्ण समर्थन तथा सकारात्मक प्रेरणा प्रदान करना

* सामूहिक सोच द्वारा समस्या व ज़मीनी आवश्यकताओं के बीच समन्वय स्थापित करना

* साथ जुड़े हुए सभी लोगो के लिए सीखने के अवसर प्रदान करना

* प्रोग्रामेटिक व लोजिस्टिकल सपोर्ट प्रदान करना; जैसे ऑक्सीजन सिलेंडर, कोन्सेंट्रेटर आदि तथा प्रवासियों की वापसी व अन्य राज्यों/शहरों में उनके रिश्तेदारों के बीच संवाद/समन्वय स्थापित कराना

चुनौतियाँ

* एक साथ आने वाले स्थानों (सम्मिलन) का अधिभार

* इकठ्ठा किये गए संसाधनों में अक्सर वेतन व अन्य आवश्यक उपव्यय की कमी

* एक साथ समन्वय स्थापित करने की जगहों का भार – बैठकों में प्रतिभाग करने से लेकर ज़मीनी स्तर पर कार्य करने तथा सीखने के अवसरों में सामंजस्य बैठाना

* कोविड प्रतिक्रिया के समय को कम करना

* राहत अवधि के समय सुदूर इलाकों में संसाधन पहुँचाना

* गठबंधन में समावेशन एवं दक्षता के मध्य सामंजस्य स्थापित करना

आगामी रणनीति

* किसी भी आपात स्थिति/आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए एक सुद्रण प्रणाली का निर्माण

* सामूहिक अनुभवों के आधार पर आपदाओं से निपटने हेतु कुछ मानक टेम्पलेट का निर्माण करना जिसे संस्थाएं अपने अनुसार अपना सकें

* तत्काल राहत हेतु एक आपातकालीन निधि का निर्माण जिससे समय बचाया जा सके

* ज़मीनी स्तर पर कार्य करने वाली संस्थाओं की पैरोकारी करना व उनकी क्षमता विकसित करना जिससे समुदायों के पुनर्निर्माण में उनकी भूमिका को सुनिश्चित किया जा सके

आभार

कम्यूटिनी-वार्तालीप पारिस्थितिकी तंत्र की शक्ति एकजुटता और पारिस्थितिकी तंत्र के सदस्यों और हमारे सहयोगियों के संयुक्त प्रयास **'हर युवा एक जागरिक है और हर जगह जागरिकों का पोषण करती है'** के साझा मिशन की दिशा में निहित है।

हम दूसरी लहर के दौरान देश भर में लाखों लोगों का समर्थन करने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र में प्रत्येक सदस्य और हमारे सभी सहयोगियों के स्वतंत्र प्रयासों को गहराई से महत्व देते हैं; मगर हम इस अवसर पर विशेष रूप से उनके राहत और पुनर्प्राप्ति प्रयासों के माध्यम से अन्योन्याश्रयता के संदेश को मजबूत करने के लिए उनके सहयोग का जश्न मनाना चाहेंगे - **#साथनिर्भार: सामूहिक सलामती!**

हम प्रत्येक संगठन और व्यक्ति के आभारी हैं, जो एकजुटता में खड़े रहे, अपने अस्तित्व और कार्य के माध्यम से अन्योन्याश्रित रहे और यह सुनिश्चित किया कि यह बड़े पैमाने पर, समय पर और गहरी सहानुभूति के साथ हो पाए।

आभार

गठबंधन - ज़मीन पर सदस्य

आभार

गठबंधन - एकजुटता भागीदार

unicef for every child · YuWaah! The Potential of Young People · Young Warrior · Dreikönigsaktion Hilfswerk der Katholischen Jungschar · MISEREOR IHR HILFSWERK · Wolfpack · pravah · CATALYST 2030 Collaborating to accelerate the SDGS · गूंज.. · OXFAM · phia to end poverty · Azim Premji Philanthropic Initiatives

गठबंधन - रणनीति, संसाधन और प्रबंधन

अंशु गुप्ता
अर्जुन शेखर
अशरफ पटेल
दीपज्योति सोनू ब्रह्मा
कनिका सिन्हा
मीनू वेंकटेश्वरन
नवेंदु मिश्रा
पवन भाटिया
प्रतिभा पाठक
राजेश एन मेहर
शंकर वेंकटेश्वरन
सौविक साहा
जीशान मोहम्मद

आभार

सहयोगी - संगठन

HUMAN CAPABILITY FOUNDATION

RAIN Group

dasra

CaaStle

ROHINI NILEKANI philanthropies

सहयोगी - व्यक्ति

आकाश सेठी
अमृता सिन्हा
अरुण मेहरा
अतुल चुघ
अतुल सिन्हा
बलजीत सिंह बख्शी
सी.के. सिन्हा
कैरोल
दीपिका माथुर
दिव्या केला
गौरव उप्पल
गगन अदलखा
हरजस दुग्गल
हृषिकेश
ईशान अरोड़ा
जैरी थॉमस
जितेन चैकसे
ज्योत्सना प्रसाद
कनिका सिन्हा
कपिल भंडारी
क्षितिज रोहतगी
लिलियन स्ट्रैंड
महिमा सिन्हा
मार्क
मीनल गुप्ता
मीता
मोहनीश सिन्हा
नागराजन
नेति श्रीनिवासन
नितिन दास
पी के वर्मा
पवन भाटिया
पूनम जगदीश
प्रत्यूष राजवंशी
प्रीति गुप्ता
रजनीकर कुमार
राम
रणजीत सिंह
रॉबिन छाबड़ा
रॉबिन
रोहिणी प्रकाश
सैफुल्ला खान
शरद खर्रा
शशि अरोड़ा
स्टीव एलेफसन
सुमित सोनकर
सुनील दुग्गल
टिमोथी
वंदना
वंदना महाजन
विराज प्रसाद
यश श्रीवास्तव
यशवर्धन सिन्हा

रिपोर्ट क्रेडिट

अक्षित जैन
अंजनी ग्रोवर
अरीबा नईम
दीपज्योति सोनू ब्रम्हा
हार्दिक कक्कर
हिमानी एच
कनिका सिन्हा
कार्तिक कक्कर
मोहम्मद ज़ीशान
पवन भाटिया
पूजा जैन
प्रतिभा पाठक
राजेश एन मेहर
शंकर वेंकटेश्वरन
विशाखा टक

VartaLeap
Beyond the demographic dividend

"commutiny"
the youth collective

#साथनिर्भर कोवीड प्रतिक्रिया प्रयासों का समर्थन करने के लिए, यहां क्लिक करें.

#साथनिर्भर के बारे में और जानें.

हमें संपर्क करने के लिए info@commutiny.in / commutiny@commutiny.in पर लिखें

#साथनिर्भर को फॉलो करें